B. Com II Hons Sub - Corporate Accounting page-1
(issue of share)

Q. → स्टॉक/स्कन्ध से क्या समझते हैं? Stock एवं Share (अंश) में क्या अन्तर है?

Ans. → कम्पनी अधिनियम के अनुसार, जब कम्पनी के सभी अंश पूर्णतः प्रदत्त (चुकता) हो जाते हैं तो उन्हें स्कन्ध/स्टॉक में परिवर्तित किया जा सकता है बशर्ते कम्पनी अन्तर्नियम इसकी स्वीकृति देता हो। यह कम्पनी की पूंजी की एक अलग ढंग की इकाई है। उल्लेखनीय है कि कम्पनी की पूंजी का निर्गमन सीधे स्कन्ध के रूप में नहीं हो सकता है। इस प्रकार, स्कन्ध या स्टॉक समेकित पूर्णदत्त अंशों का समूह है।

(1) स्टॉक/स्कन्ध समेकित पूर्णदत्त अंशों का समूह (कुलयोग) है।

(2) कम्पनी स्कन्ध/स्टॉक को सीधे जनता को निर्गमित नहीं किया जा सकता है, ~~जबकि अंश सीधे ढंग से निर्गमित किये जा सकते हैं।~~

(3) जब कम्पनी का समामेलन होता, तब अंश निर्गमित किये जा सकते हैं, परन्तु ऐसी स्थिति में स्कन्ध का निर्गमन नहीं किया जा सकता है।

Share (अंश) एवं स्टॉक (स्कन्ध) में अन्तर :-

(1) स्टॉक (स्कन्ध) पूर्णतः चुकता होता है जबकि अंश पूर्णतः चुकता या अंशतः चुकता हो सकता है।

(2) स्कन्ध (स्टॉक) को सीधे जनता को निर्गमित नहीं किया जा सकता है, जबकि अंश सीधे ढंग से निर्गमित किये जा सकते हैं।

(3) जब कम्पनी का समामेलन होता है, तब अंश निर्गमित किये जा सकते हैं परन्तु ऐसी स्थिति में स्कन्ध का निर्गमन नहीं किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

Page No.:
Date: / /

(4) अंश की एक भिन्न संख्या होती है, जबकि स्कन्ध की कोई संख्या नहीं होती है।

(5) अंशों की क्रम संख्या होती है, परन्तु स्कन्ध (Stock) की क्रम संख्या नहीं होती है।

(6) अंश समान अंकित मूल्य (Normal value) के होते हैं किन्तु स्कन्ध असमान मूल्यों में विभाजित हो सकता है।

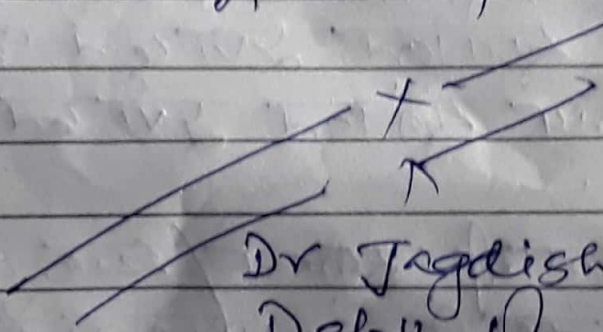

Dr Jagdish Prasad Baishakhi
Deptt of Commerce
Dr L.K.V.D. College Tajpur
Date — 06.08.2020